

भाकृअनुप— विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक प्रतिष्ठित डॉ.एम0वी0राव स्मृति पुरस्कार से सम्मानित



डॉ लक्ष्मी कान्त, निदेशक भाकृअनुप— विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा को गेहूं और जौ अनुसंधान की उन्नति हेतु गठित सोसायटी, करनाल द्वारा वर्ष 2021 के लिए अन्न शोध कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने हेतु प्रतिष्ठित पुरस्कार डॉ. एम.वी. राव मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार के तहत उन्हें स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और नकद राशि से सम्मानित किया जाएगा। डॉ. लक्ष्मीकान्त ने गेहूं और जौ की क्रमशः 12 और 5 उन्नत रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित करके कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि किसानों के खेतों पर किए गए विभिन्न प्रदर्शनों में इन किस्मों ने उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों की उत्पादकता में 30–40 प्रतिशत की वृद्धि की है। इन किस्मों में द्विउद्देशीय (अनाज और हरा चारा) गेहूं वीएल गेहूं 829 और जौ वीएल बी 130, देर से बोई जाने वाली किस्म वीएल गेहूं 892 और समय पर बोई जाने वाली किस्म वीएल गेहूं 907 उल्लेखनीय है। डॉ. लक्ष्मीकान्त का मुख्य शोध बंसतकालीन गेहूं के सुधार हेतु शीतकालीन गेहूं के वाछिंत लक्षणों पर अनुक्रमण, पारम्परिक तथा आणविक प्रजनन के माध्यम से सूखा सहिष्णुता के साथ ही आगतो के प्रति अनूकूल प्रतिक्रिया देने वाले गेहूं के जीनप्ररूप विकसित करना है। डॉ. लक्ष्मी कान्त के 76 से अधिक शोध पत्र विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। वे भाकृअनुप के उत्कृष्ट टीम पुरस्कार एवं महिन्द्रा कृषि समृद्धि इंडिया एग्री पुरस्कार 2012 के पुरस्कार विजेताओं में से एक रहे हैं। इसके अलावा वे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अकादमी एवं अन्य प्रतिष्ठित सोसाइटी के फ़ैलो के रूप में भी चयनित हैं। संस्थान के सभी कर्मचारियों ने डॉ. लक्ष्मी कान्त को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।